आईआईएम का 7वां दीक्षांत : रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण और सीएम डॉ. रमन सिंह ने बांटें डिप्लोमा

214 स्टूडेंट्स को डिप्लोमा, 6 को मिले गोल्ड मेडल ये देश ही नहीं विश्व के लिए भी उपयोगी : रक्षा मंत्री

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) के 7वें दीक्षांत समारोह का आयोजन जीईसी कैंपस में बने ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण मौजूद रहीं। समारोह में 2015-17 और 2016-18 बैच के 214 स्टूडेंट्स को डिप्लोमा दिए गए। ओवरऑल टॉपर सहित 6 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल दिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. भरत भास्कर ने संस्थान का रिपोर्ट कार्ड पढ़ा।

समारोह में रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाकी अतिथियों की तरह दीक्षांत गाउन नहीं पहना था। उन्होंने साधारण साड़ी में स्टूडेंट्स को डिप्लोमा और मेडल बांटे। इस मौके पर रक्षा मंत्री निर्मला ने कहा कि हाइली स्किल्ड युवाओं की हमारे देश में कमी नहीं है। स्किल्ड स्टूडेंट्स को जॉब की भी कमी नहीं है। डिप्लोमा ले रहे स्टूडेंट्स से मंत्री निर्मला सीतारमण ने पब्लिक सेक्टर में काम करने की गुजारिश की। उन्होंने कहा- समारोह में इन युवाओं के बीच मैं खुद को मोटीवेटेड महसूस कर रही हूं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के साथ मैनेजमेंट को साथ लेकर चलने वाले युवाओं को सफलता जरूर मिलती है। आपकी डिग्री विश्वभर के लिए उपयोगी है।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

- जया गुप्ता
- पार्थ सारथी साहू
- सांई दायित्व गौर
- गरिमा विष्ट
- प्रतीक गर्ग
- यशवर्धन सिंह

रक्षा मंत्री निर्मला रहीं सादे लिबास में.... बाकी अतिथियों ने पहना गाउन

डिप्लोमा देते सीएम डॉ. रमन सिंह, मंत्री निर्मला सीतारमण, भारतीय रिजर्व की डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ, डॉ. भास्कर।

सीएम स्टूडेंट्स से बोले- मौका मिले तो राज्य के लिए अच्छा काम करना

डॉ. रमन सिंह ने स्टूडेंट्स से कहा- आप यहां से चले जाओगे, छत्तीसगढ़ ने आपको बहुत कुछ दिया है। मौका मिले तो छत्तीसगढ़ के लिए भी बेहतर काम करना। सीएम डॉ. रमन ने पॉलिटिकल करियर के बारे में बताया कि मैं पहला चुनाव हार गया था। लोगों ने मुझे राजनीति छोड़कर डॉक्टरी पेशे में आगे बढ़ने की सलाह दी। लेकिन मैंने हार से सबक लिया, मैनेजमेंट सीखा और लोक सभा चुनाव जीत केंद्र में मंत्री बना। तब महसूस हुआ कि असफल व्यक्ति ही सफल होता है।

40 मिनट धूप में गेस्ट के इंतजार में परेशान हुए स्टूडेंट

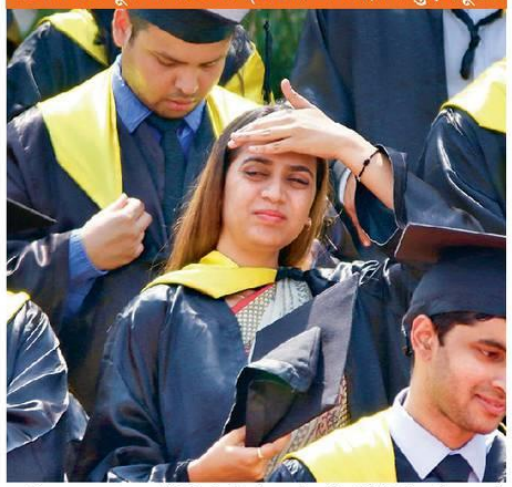

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी की ओर से अगले ढाई महीने के लिए हीट अलर्ट जारी किया गया है। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक घर या ऑफिस से बाहर न निकलने की चेतावनी दी गई है। इसके बावजूद समारोह में दोपहर 1:20 बजे से लगभग 40 मिनट तक तेज़ धूप में फोटो सेशन के लिए स्टूडेंट्स अतिथियों का इंतजार करते रहे। इस दौरान गर्मी से बचने के लिए स्टूडेंट्स कभी टोपी से हवा करते दिखे, तो कभी रुमाल से पसीना पोछते।

शादी के बाद 18 साल तक पढ़ाई से रहीं दूर 2015 में कैंसर हुआ, आज गोल्ड मेडलिस्ट

गोल्ड मेडल पाने वाली भिलाई की जया गुप्ता ने 1997 में ग्रेजुएशन कंप्लीट किया। शादी के बाद परिवार की जिम्मेदारी के चलते उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। 2015 में पीजी प्रोग्राम फॉर वर्किंग एग्जीक्यूटिव में एडमिशन लिया। तीन महीने बाद ही जया को कैंसर होने का पता चला। बावजूद इसके जया ने हिम्मत नहीं हारी और एक साल तक ट्रीटमेंट करवाने के बाद 2016 में कोर्स पूरा किया। जया का कहना है इस चुनौतीभरे वक्त में फैमिली ने मेरा पूरा सपोर्ट किया। बीमारी के बाद पढ़ाई करना कठिन था, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। आज गोल्ड मेडल पाकर मेहनत साकार हुई।

तीन दोस्तों ने शुरू की वेडिंग फोटोग्राफी, 8 महीने में किया 40 लाख रुपए का बिजनेस

दिल्ली के अब्दुल रज्जाक ने 2016 में आईआईएम में एडमिशन लिया। अब्दुल ने बताया- मैं शुरू से बिजनेस करना चाहता था। हमेशा अलग-अलग फील्ड के लोगों से मिलता और बिजनेस प्लान पर डिस्कस करता। कुछ फ्रेंड्स ने वेडिंग फोटोग्राफी का बिजनेस शुरू करने का सजेशन दिया। अप्रैल, 2017 में तीन फ्रेंड्स ने दिल्ली में ऑफिस खोला। शुरुआत में 4 महीने कुछ ही क्लाइंट्स मिले, लेकिन इसके बाद 8 महीने तक 200 लोगों की वेडिंग फोटोशूट किया। इस दौरान हमने 40 लाख का बिजनेस किया।

Dainik bhasker,11th April 2018, P.15